मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम 0 ए 0 प्रथम वर्ष ,सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि..... 15 मई 2015

कोर्स शीर्षक – वेद एवं निरूक्त कोर्स कोड - एमएएसएल 101

प्रोग्राम कोड --- एम ए एस एल -12 अधिकतम अंक - 40

ग्रीष्मकालीन सत्र 2014 -15

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड ' क '

1. सामनस्य सूक्त का महत्व लिखिए।
2. इन्द्र सूक्त के किसी एक मन्त्र की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।
3. ईशावास्योपनिषद् के प्रथम मन्त्र की व्याख्या कीजिए।
4. उपनिषदों का क्या महत्व है।
5. आचार्य पाणिनि का परिचय दीजिए।
6. व्याकरण नामक वेदांग का सामान्य परिचय दीजिए।
7. वेदांगों में कल्प का क्या महत्व है।
8. किसी शिक्षा ग्रन्थ का परिचय दीजिए ।

खण्ड 'ख'

1. उपनिषद् शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।
2. वेदांगों किसे कहते हैं। किन्हीं चार वेदांगों का वर्णन कीजिए।
3. निरूक्त व व्याकरण के अनुसार शब्द के नित्यत्व का वर्णन कीजिए ।
4. भारतीय दर्शन में उपनिषदों के योगदान का वर्णन कीजिए।